विद्या -भवन ,बालिका विद्यापीठ
लखीसराय

दिनांक--- 24-5-2020
कक्षा--- तृतीय
विषय ---हिन्दी
विषय शिक्षिका --- नीतु कुमारी

सुप्रभात बच्चों,
आज की कक्षा मे नन्ही की डायरी कहानी को पढेंगे । जो इस प्रकार है।

दिनांक-- 23 मई 2020
समय -- रात 8 बजे

आज का दिन भी बाकी दिनों की तरह ही शुरू हुआ था। मैं सुबह उठी। व्यायाम किया। नहा-धोकर नाश्ता किया, और स्कूल जाने के लिए घर से निकल गई। अभी हमारी स्कूल बस कुछ ही दूर चली थी, कि बस का टायर पंक्चर हो गया। यहाँ सुनसान रास्ता था । यहाँ से कुछ दूरी पर जंगल था । हम सब थोड़े -से घबरा गए। ड्राइवर अंकल को भी डर लग रहा होगा। फिर भी , उन्होंने हमारी हिम्मत बढ़ाई। वे टायर देखने के लिए नीचे उतरे ही थे ,कि जंगल से निकलकर शेर का एक छोटा -सा बच्चा सड़क पर आ गया। अभी कोई कुछ समझ भी नहीं पाया था ,कि वह बस के दरवाजे के समीप खड़ा हो गया और आश्चर्य से हम सब को देखने लगा। हम सब तो इतने घबरा गए थे ,कि किसी के मुंह से आवाज नहीं निकली । मेरी सीट से अगली सीट पर नीति बैठी हुई थी । वह डर के मारे जोर से चीख पड़ी। उसकी चीख सुनकर शेर का बच्चा शायद घबरा गया। वह तेजी से जंगल की ओर भाग गया।

अब ड्राइवर अंकल ने पंक्चर ठीक कराने की बात छोड़ी और उन्होंने जल्दी से अपनी सीट पर बैठ बस को ही दौड़ा दिया। हम सब ने ईश्वर को धन्यवाद दिया। यह बहुत ही रोमांचक अनुभव था ।

मैंने स्कूल से लौटकर माँ को सारी बातें बताई। माँ ने मुझे सीने से लगा लिया और मेरी रक्षा करने के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया। अब कलम रखती हूँ , मेरा भाई नितिन खाना खाने के लिए इंतजार कर रहा है ।

आज हमने सीखा - इमानदारी से डायरी लिखना तथा मुसीबत में धैर्य बनाए रखना ।

गृहकार्य:- बच्चों दी गई अध्ययन सामग्री को पूरे मनोयोग से पढे तथा समझने की प्रयास करें ।कहानी को पढकर कठिन शब्दों को लिखें ।

धन्यवाद .....